ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट

वर्ष-4 अंक : 46

सहयोग शुल्क : रु. 1 / अक्टूबर : 2020

दिव्यांग सेतु

संपादक :- संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री मोदीजी ने
दिव्यांगो को एक नई दिशा और उंचाई दी है...
– संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

हर एक दिव्यांग कर सकता है चमत्कार,
उन्हे सम्मान दे और उनका हौसला बढ़ाए...
– प्रधानमंत्री, नरेन्द्र मोदी

निरामय हेल्थ पॉलिसी

पात्रता

- केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही यह पॉलिसी सेरेबल, पाल्सी, ऑटिज्म, मेन्टल रिटार्डेशन, मल्टिपल डिसेबिलिटीसे असरग्रस्त दिव्यांगो को मिल सकती है।
- ४०% अथवा उससे अधिक दिव्यांगता से असरग्रस्त व्यक्ति को इस पॉलिसी का लाभ मिल सकेगा।
- रू. २५०/- बी.पी.एल. एवं रु.५००/- ए.पी.एल. दिव्यांगो के लिए सिंगल प्रीमियम

लाभ

रु. १,००,०००/- तक का इंश्योरेंस मिल सकता है।
(निर्धारित किए हुए फंड के अनुसार)

आवेदन-पत्र के साथ जमा किए जाने वाले प्रमाण-पत्र/दस्तावेज

सिविल सर्फर का दिव्यांगता दर्शाता प्रमाण-पत्र

(ऊपर बताई गई चार बीमारियों में से किसी भी एक का उल्लेख प्रमाण-पत्र में जरुरी है)

- ✓ वर्तमान की पासपोर्ट साइज़ फोटो
- ✓ राशनकार्ड की प्रमाणित कोपी
- ✓ निवास स्थान का प्रमाण (राशनकार्ड अथवा वोटिंग कार्ड)
- ✓ बी.पी.एल. कार्ड (यदि बी.पी.एल. में आते हैं तो)
- ✓ बैंक पासबुक की फोटो कोपी (बैंक IFSC कोड के साथ)

संपादकीय

"एक सही सोच जीवन में लाती है सकारात्मक बदलाव"

जीवन के हर एक कदम पर सही सोच को अपनाना यह एक ऐसी कला है जो जीवन को संतुष्टि और खुशीयों से सहज ही भर देती है। जीवन में कितनी भी बाधाएं, मुश्किलें क्यों आये मगर हमें उसे स्वीकार करते हुए, लड़ते हुए आगे बढ़ते रहना है। आगे बढ़ना ही हमारा एक लक्ष्य होना चाहिए। ईश्वर कभी कुछ कमियां देते भी है तो हमें उस कमियों को अपनी कामयाबी में बदलना होगा और इसके लिए सबसे पहले जरूरी है सही सोच। हमारे विचार जितने तेज एवं बुलंद होंगे उतने ही ज्यादा बल से हम जीवन के हर एक पहेलु से आगे बढ़ते हुए मंजिल तक पहुंच सकेंगे। इसलिए जीवन में कभी कुछ चुनौतियां का सामना करना पड़े तो गभराना मत बस अपने अंदर उम्मीद का एक दीपक जलाये रखना। क्योंकि "एक जलता हुआ दीपक हजारों, लाखो दीपक को जलाने की क्षमता रखता है..."

आप सभी को निवेदन है की "दिव्यांग सेतु" पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु, आपके आसपास दिव्यांगजनो के अनुलक्ष में हुए कार्यक्रम या कोई दिव्यांग व्यक्ति की जानकारी का ब्यौरा भी आप हमें भेज सकते है।

आओ, आप भी दिव्यांगजनो के इस सेवायज्ञ में हमारा साथ दे...

दिव्यांग सेतु

मासिक पत्रिका

अक्टूबर : 2020, पृष्ठ संख्या : 16

वर्ष : 4 अंक : 46

प्रेरणास्त्रोत और संपादक

संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

सह-संपादक

मिहिरभाई शाह

मो. 97241 81999

संपर्क-सूत्र

सेवा समर्पण फाउण्डेशन

ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट (NGO)

Trust Reg. No. : E/20646/Ahmedabad

०१, ग्राउण्ड फ्लोर, आंगी एपार्टमेन्ट,

अन्नपूर्णा पार्टी प्लाट के सामने,

नया विकासगृह रोड, पालडी,

अहमदाबाद - ३८०००९

(मो.) 99749 55365, 9974955125

मुद्रक

प्रिन्ट विज़न प्रा. लि.

आंबावाडी बाज़ार, अहमदाबाद-6

Phone : 079 26405200

★ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर दिव्यांगजनो को ट्राई साईकिल वितरीत की गई .....

★ माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन कार्यक्रम को 'सेवा सप्ताह' के रुप में मनाया गया.....

भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को सेवा सप्ताह के रुप में मनाया गया इस दौरान कई विकलांगो को व्हीलचेयर, युवाओं को स्वरोजगार योजना के अंतर्गत विभिन्न उपकरण कीट प्रदान की गई । जन्मदिन पर आयोजित यह सेवा सप्ताह कार्यक्रम में डी.एम. और भाजपा जिलाध्याक्षने ७० दिव्यांगजनो को ट्राई-साईकिल और व्हीलचेयर वितरीत की, इसके अलावा बूथ स्तर पर गठित कमिटी की कार्यकर्ताओं को भी सेवा सप्ताह क्षेत्र में रवाना किया गया ।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ७० वें जन्मदिन के अवसर पर १७ सितम्बर गुरुवार को विकास भवन परिसर में सेवा सप्ताह कार्यक्रम के तहत दिव्यांगजनो को उपकरण वितरण का आयोजन किया गया । जहां डी.एम. शकुंतला गौतम और भाजपा जिला अध्यक्ष सूरज पाल गुर्जर के नेतृत्त्व में २५ दिव्यांगजनो को ट्राई साईकिल, २० दिव्यांगो को व्हीलचेर और १५ दिव्यांगो को बैसाखी वितरीत की गई ।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोरोना के इस मुश्किल वक्त में गरीब, मजदूर, किसानों और श्रमिको के लिए सराहनीय कार्य किया है । उन्हें राशन से लेकर आर्थिक मदद पहुंचाने का एक बेहद उमदा कार्य किया है । उनके प्रयासो से ही आज विकलांगो को "दिव्यांग" नाम मिला है । हर एक दिव्यांग को समाज में सम्मान प्राप्त हुआ है । माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि से ही आज भारत का नाम पूरे विश्व में रोशन हुआ है । भारत का वैश्विक स्तर पर सम्मान बढ़ा है । उनका संपूर्ण श्रेय माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जाता है । भारत को एक सेवाभावी प्रधानमंत्री के रुप में श्री नरेन्द्र मोदीजी मिले है यह सभी भारतीय के लिए गर्व की बात है...

★ मोदीजी है तो मुमकीन है .....

कोरोना वायरस की महामारी के बीच अप्रैल से जून की पहली तीमाही में भारत के GDP में २३.९ फीसदी की ऐतिहासिक गिरावट आई है । भारत दुनिया की छठवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है की भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार ५ ट्रीलीयन डॉलर हो जाए । आज भारत के GDP में - २३.९ प्रतिशत तक की गिरावट आई है लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा की कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लगाये गये सख्त लोकडाऊन की वजह से आज करोडो भारतीयों की ज़िंदगी बच सकी है । बाकी देशो के मुकाबले भारत आज इस वैश्विक महामारी के संकट में से आबाद बचने में सफल हो पाया है उसका संपूर्ण श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लागु किए गये लोकडाऊन की परिणाम है ।

GDP में गिरावट आई हालांकी अर्थव्यवस्था की हालत पहेले से ही संकटग्रस्त थी । लेकिन मुझे पूरी उम्मीद है की अपने माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्त्व में भारत की अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे करके फिर से विकास की ओर आगे बढ़ेगी ।गृहउद्योग एवं लघुउद्योगों के लिए उनका सूत्र "वोकल फॉर लोकल" फिर से क्रांति लायेगा और भारत की अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण सुधार देखने को मिलेगा । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी है तो सबकुछ मुमकिन है ।

कोरोना की रोकथाम के लिए उनके द्वारा उठाये गये 'लोकडाऊन' का कदम बेहद सराहनीय है और इन्हीं की वजह से आज हम सब सुरक्षित रह पाए है ।

★ जिन दिव्यांगजनो के नहीं है राशनकार्ड वो करे आवेदन :-

जहां सारा विश्व आज कोरोना महामारी के मुश्किल दौर से गुजर रहा है वहीं पर लोकडाउन और बेरोजगारी के इस दौर में दिव्यांगजनो को आजीविका चलाना मुश्किल हुआ है और उनके पास ना ही कोई रोजगार है ना ही कोई आय का अन्य स्त्रोत, ऐसे में जीवन कैसे चले ?

२०१८-१९ में लगातार खाद सुरक्षा अधिनियम - २०१३ के आने के बाद से दिव्यांगजनो के द्वारा संगठनो के माध्यम से लगातार खाद सुरक्षा अधिनियम में दिव्यांगजनो को संम्मिलित किये जाने की मांग चलती रही है । जिस पर भारत सरकार के खाद एवं रसद मंत्रालय के द्वारा समस्त राज्यो को शासनादेश जारी कर दिव्यांगजनो को तत्काल अंत्योदय राशनकार्ड योजना में संम्मिलित कर तथा आत्मनिर्भर पैकेज का लाभ दिलाया जाने के संबंध में निर्देशित किया है जिस क्रम में जिला पूर्ति अधिकारी बाराबंकी वंश गोपाल राष्ट्रीय पुनर्वास के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागेश कुमार पटेल से मोबाईल पर सूचना दी गई की जिन दिव्यांगजनो के राशनकार्ड नहीं बने है वह अपना राशनकार्ड के लिए तत्काल आवेदन करे और इनका विभाग के द्वारा तुरंत ही राशनकार्ड जारी करते हुए खाद्यान्न प्राप्त कराया जायेगा, जिस क्रम में ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागेश पटेल ने अपने समस्त जनपद के पदाधिकारीओ को सूचना देकर ऐसे दिव्यांगजनो को चिन्हित कर आवेदन कराने की अपील की और डाटा एकत्रित किया जा रहा है और जिन क्षेत्रो में लोगों को इस विषय में जानकारी नहीं है ऐसे लोगों को भी सूचनाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है...

★ अब दिव्यांगो को वाहन खरीदने पर माफ होगा GST :-

→ दिव्यांगो की सुविधा के लिए केन्द्र सरकार ने बदले नियम, गाडी की खरीद पर माफ होगा GST, मिलेंगे ये फायदे :-

व्यावसायिक या निजी वाहनो की खरीद पर दिव्यांगो को १८ फीसदी GST से छूट के लिए केन्द्र सरकार नियमो में बदलाव करने जा रही है । इसके तहत वाहनो के रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में वाहन मालिक और संस्थान के अलग वाहन किस श्रेणी का है इसका भी उल्लेख किया जायेगा । दरअसल सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने मोटर वाहन अधिनियम-१९८९ में फॉर्म-२० के क्रम संख्या 4A में वाहनो की श्रेणी को दर्ज कराने को लेकर अधिसूचना जारी कर दिया है । मंत्रालय ने लोगों को इस मामले में सुझाव या आपत्ति दर्ज करने के लिए वक्त दिया है । इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद इसे लागु कर दिया जाएगा ।

★ मलेगी ये सुविधाएँ :-

→ 8 लाख रुपये तक की किंमत के वाहन पर १८ फीसदी GST पूरा माफ होगा ।

→ इनवैलिड कैरिज वाहन का ड्राइविंग लाइसेंस मिलेगा ।

→ टोल टलाजा पर आरसी १०० फीसदी टैक्स माफ होगा ।

→ रोड टैक्स माफ होगा ।

→ बीमा राशि में ५० फीसदी तक की छूट मिलेगी ।

→ यहां होगा बदलाव :-

मोटर वाहन अधिनियम-१९८९ में फॉर्म-20 A में केन्द्र सरकार, धर्मार्थ न्यास, ड्राइवर ट्रेनींग स्कूल, स्वायत्त निकाय और दिव्यांगजनो के GST से छूट वाले वाहन शामिल है । लेकिन फॉर्म २० में अभी वाहन श्रेणी का जिक्र नहीं है, जिसमें मंत्रालय ने बदलाव किया है । इस बदलाव के कारण ४० फीसदी शारीरिक रुप से दिव्यांग नये वाहन को इनवैलिड कैरिज श्रेणी में खरीद सकेंगे । इस बदलाव के बाद दिव्यांगो को अेक्साइज़ ड्युटी और बीमा राशि में ५० फीसदी छूट मिल सकेगी । इसके अलावा उन्हें रोड टोल टैक्स में १०० फीसदी की छूट का फायदा मिल सकेगा ।

★ देश में पहलीबार एक दिव्यांग खिलाड़ी को मिला पैरा-स्वीमर का राष्ट्रीय पुरस्कार :-

→ एम.पी. के दिव्यांग तैराक सतेन्द्र सिंह लोहिया को मिला ये राष्ट्रीय साहसिक सम्मान, बोले-गाँव की नदी में तैरते समय नहीं सोचा था, यहां तक पहुचुंगा।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर २९ अगस्त को यह पुरस्कार समारोह का वर्च्युअल आयोजन किया गया था। जिसमें ये पुरस्कार पानेवाले सतेन्द्र सिंह देश के पहले दिव्यांग खिलाड़ी बने। मध्यप्रदेश के फेमस अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग तैराक सतेन्द्र सिंह लोहिया को प्रतिष्ठित मेनेजिंग नोर्गे साहसिक सम्मान-२०२० के लिए चुना गया। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सतेन्द्र से मिलने के बाद कहा था - सतेन्द्र की जीवनयात्रा कई लोगों को प्रेरित कर सकती है। वे एक बहेतरीन पैरा-तैराक है। सतेन्द्र सिंह ने इस सुनहरे अवसर पर कहा कि इस पुरस्कार मिलने से मैं बहुत खुश हूं। हर खिलाड़ी सोचता है की उसे एक पहचान मिले, उसके खेल का सम्मान हो और आज यह हो रहा है। बता दे की पीछले साल सतेन्द्र सिंह लोहिया अमेरिका में ४२ की.मी. का कैटलीना चैनल ११:३४ घंटे में तैरकर पार करनेवाले पहले अेशियाई बने थे। उन्होंने यह पुरस्कार अपने माता-पिता को समर्पित किया है।

सतेन्द्र ने कहा की कैटलीना चैनल पार करना बेहद मुश्किल है। दिन में चलनेवाली तेज हवाओं से बचने के लिए रात में तैराकी शुरु करनी पड़ती है। इसमें गहराई का भी अंदाज नहीं लगता और इन सभी चुनौतियां होती है, लेकिन सतेन्द्र सिंह ने इन सभी चुनौतीयों को पारकर सफलता का नया किर्तीमान रच दिया है।

दोनों पैरों से दिव्यांग सतेन्द्र सिंह ने अपने भिंडे जिले के गाता गाँव की वेसली नदी में तैराकी सीखी। ग्वालियर में सतेन्द्र सिंह ने तैराकी की तकनीक सीखी और फिर इसे ही अपना हुन्नर बना लिया। उन्हें मध्यप्रदेश के विक्रम पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। वह इंदौर में सरकारी नौकरी कर रहे है। सतेन्द्र सिंह लोहिया ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में ऑलम्पिक स्वीमींग एन.एस.डबल्यु.-२०१७ स्टेट ऑपन चेम्पियनशीप में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीता था। मई-२०१७ में ऑपन वॉटर सी-स्वीमींग फीट ऑफ ३३ की.मी. को पार किया था। श्री सतेन्द्र सिंह लोहिया ने २४ जून, २०१८ को इंग्लिश चैनल पार कर इतिहास रचा। राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सतेन्द्र सिंह लोहिया ने १२ रजत एवं ८ कांस्य पदक हांसिल किये है। इस तरह सतेन्द्र सिंह लोहिया देश के नाम कर चुके है। कई मैडल और हर एक दिव्यांग के लिए प्रेरणास्त्रोत बने है।

★ डिस्लेक्सीया ग्रस्त बच्चों को पढ़ाई संबंधित होनेवाली परेशानियां को दूर करने के लिए आई.आई.टी.(मद्रास) और मद्रास डिस्लेक्सीया एसोसिएशन (MDA) ने मिलकर शुरू किया "ई-शिक्षणम" नि:शुल्क ऑनलाईन कोर्स :-

★ डिस्लेक्सीया से लड़ने में अब बच्चों के अध्यापक करेंगे मदद, किया जाएगा प्रशिक्षित :-

आपने डिस्लेक्सिया का नाम सुना होगा । इसे 'अधिगम अक्षमता' के नाम से भी जाना जाता है । ये एक तंत्रिका के विकार से संबंधित ऐसी स्थिति है जिसके कोई शारीरिक लक्षण नहीं होते । लेकिन इसमें बच्चों को पढ़ना, लिखना और शब्दों का विन्यास कर पाना मुश्किल होता है । ऐसा इसलिए होता है क्योंकि मस्तिष्क शब्दों या अक्षरों को मिला देता है । डिस्लेक्सिया से ग्रस्त बच्चे अक्सर बोलनेवाले और लिखित शब्दों को याद नहीं रख पाते है । हालांकी डिस्लेक्सिया होने का मतलब यह बिलकुल नहीं है की बच्चे की सीखने की क्षमता बाकी बच्चों से कम है । फर्क यहां सिर्फ यह है कि उसे अच्छी तरह से पढ़ने में सक्षम न होने के कारण कई चीज़ों को समज पाना मुश्किल हो जाता है ।

★ डिस्लेक्सीया के प्रकार :-

डिस्लेक्सिया तीन प्रकार के होते है ।

(१) प्राईमरी डिस्लेक्सिया :

इसमें बच्चे अक्षर और संख्या की पहचान करना, पढ़ना, मापना, समय देखना और अन्य गतिविधियां नहीं कर पाते है ।

(२) सेकंड्री डिस्लेक्सिया :

इसकी समस्या भ्रुण में बच्चों का दिमागी विकास न होने के कारण होती है । इसमें शब्दों की पहचान और उनकी बोलने में समस्या आती है ।

(३) ट्रॉमा डिस्लेक्सिया :

इसकी समस्या बच्चों में दिमागी चोट लगने के कारण देखने को मिलती है । इसमें बच्चे शब्दों की ध्वनि नहीं सुन पाते है । इसलिए उन्हें शब्द बोलने और पढ़ने सीखने में कठिनाई होती है ।

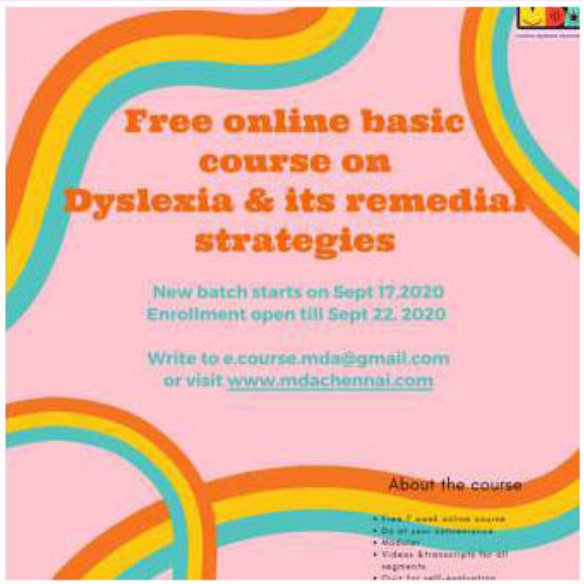

डिस्लेक्सिया की समय रहते पहेचान न हो पाने के कारण कई बार बच्चे पढ़ाई में पीछे पड़ जाते है और अक्सर स्कूल छोड़ने को लेकर मजबूर हो जाते है। डिस्लेक्सिया से ग्रस्त बच्चों में पढ़ने-लिखने और सीखने में आनेवाली परेशानीयों को दूर करने के लिए भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान (IIT) मद्रास और मद्रास डिस्लेक्सिया एसोसिएशन (MDA) ने मिलकर "ई-शिक्षणम" नामक ऑनलाईन कोर्स शुरू किया है।

इस कोर्स का उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयो के अध्यापकों और डिस्लेक्सिया ग्रस्त बच्चों के साथ काम करनेवाले साझेदारों को पीडित बच्चों की पहचान और समस्या से उबरने में मदद के लिए तैयार करना है। ये शिक्षक देशभर के पांचवी कक्षा तक के बच्चों को उपचारात्मक निर्देशो के जरिये डिस्लेक्सिया से निजात दिलाने में मदद करेंगे।

IIT मद्रास के निर्देशक प्रॉफेसर राममूर्ति ने यह कोर्स हाल ही में लॉन्च किया है। पांचवी कक्षा तक पढ़ानेवाले देशभर के शिक्षक यह कोर्स कर सकते है। कोर्स का संयोजन नेशनल प्रोग्राम ऑन टेक्नोलॉजी एनहांसिंग लर्निंग (NPTEL) द्वारा किया जा रहा है। यह कोर्स नि:शुल्क है, जिसके बारे में NPTEL के वेब पोर्टल पर पूरी जानकारी दी गई है।

इस कोर्स में डिस्लेक्सिया से परिचय, बाल विकास, पीड़ित बच्चों की पहचान, पढ़ना, वर्तनी, लेखन, गणित, अध्ययन कौशल और मल्टिपल इंटेलिजेंस जैसे कई मॉड्युअल शामिल है। इस कोर्स को मल्टि-मॉडल शिक्षण पद्धति के अनुसार डिज़ाइन किया गया है। जो डिस्लेक्सिया से ग्रस्त बच्चों के प्रदर्शन और उनकी वास्तविक क्षमता के अंतर को कम करने का कारगर तरीका हो सकता है।

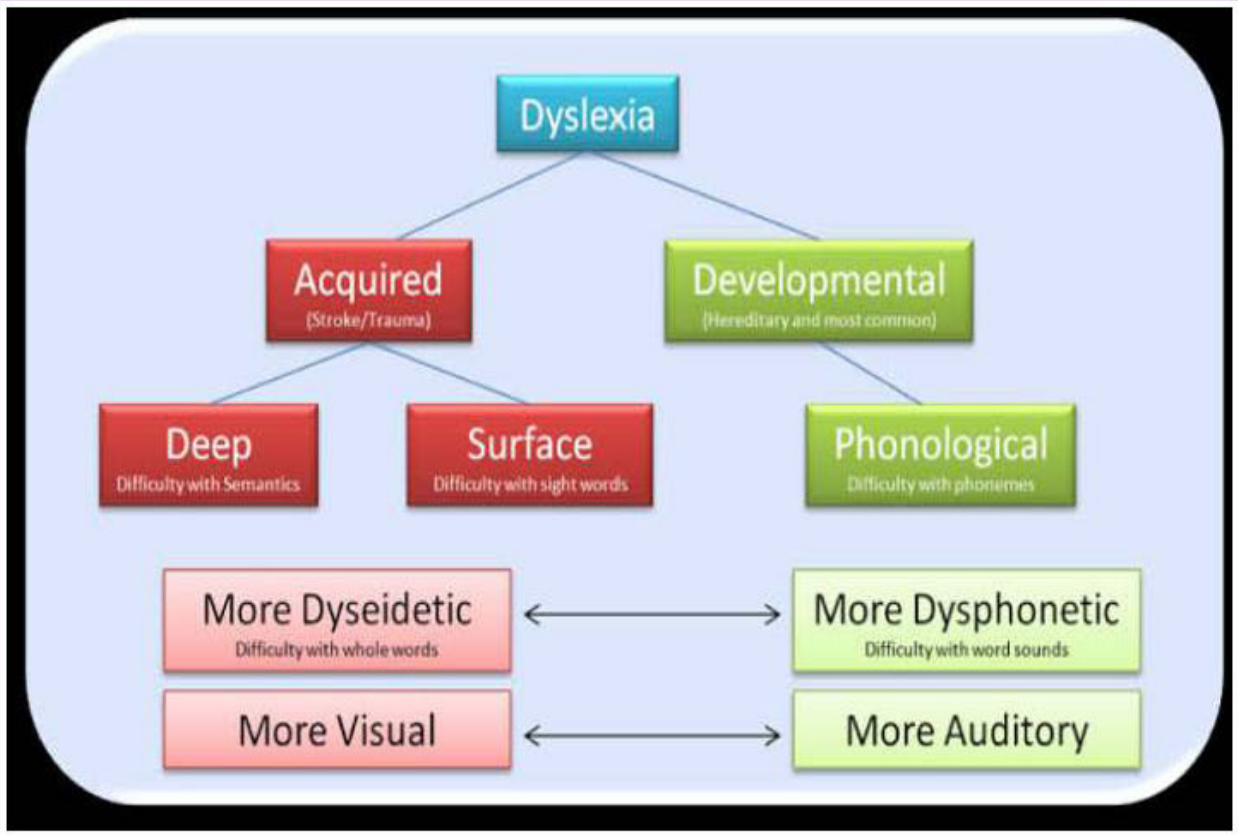

MDA ने इस बिमारी से पीड़ित बच्चों की पहचान और इस बिमारी से उबरने में मदद के लिए कई सरल तरीके विकसित किए है। इस पद्धति के उपयोग से पूरी कक्षा में बच्चों में सिखने की क्षमता अधिक बहेतर हो सकती है। प्रशिक्षित शिक्षक पूरी कक्षा की सहजता बनाये रखते हुए डिस्लेक्सिया ग्रस्त बच्चों के लिए सिखने की प्रक्रिया को सुविधाजनक बना सकते हैं यह समावेशी दृष्टिकोण बच्चे के आत्मसम्मान को प्रभावित करता है और उनके सीखने और प्रदर्शन को बढ़ाने में मदद करता है।

आंकडो के मुताबिक भारत में लगभग १५ प्रतिशत बच्चे इस बिमारी से ग्रसित है। ऐसे बच्चों को कई बार इस बिमारी के कारण उपेक्षित रवैये का शिकार बनना पड़ता है। कोई बच्चा अगर बार-बार अक्षरों को उल्टा लिखता है, हिंदी मात्रा उलट-पलट कर देता है, सेंटेंस बनाने में उन्हें दिक्कत आती है, शब्दों के उच्चारण में परेशानी होती है, धीरे सीखने **(Slow Learner)** की समस्या होती है, उसकी हैंडराइटींग खराब होती है, लोगों से मिलने में असहज होना ऐसे कई सारे लक्षण है जिससे हम इस बिमारी को पहेचान सकते है। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आईन्स्टाइन, सायंटीस्ट थॉमस अेडीसन, महान चित्रकार पॅबलो पिकासो, डिज्नी के फाऊन्डर वॉल्ट डिज्नी भी इस समस्या का शिकार थे। लेकिन ऐसे बच्चों की मजाक उनका मॉरल को तोड़ सकता है। इसलिए उसे अन्य दूसरी अेक्टीवीटीज् जैसे डांसींग, पेंटींग, स्वीमींग आदि के लिए भी प्रोत्साहित करे।

IIT मद्रास और मद्रास **MDA** ने मिलकर यह **"ई-शिक्षणम"** ऑनलाईन कोर्स शुरू करके बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। बेहद सरल उपचारात्मक उपायो से ऐसे बच्चों को मानसिक परेशानी से उबरने में मदद की जा सकती है। इसके लिए शिक्षको को प्रशिक्षित करना एक महत्त्वपूर्ण पहल है।

★ युनिक विकलांगता आई.डी. कार्ड - दिव्यांगो को मिलेगी नई पहचान (Unique Disability ID Card (UDID)) :-

केन्द्र सरकार के कल्याणकारी उपाय के रूप में, विकलांग व्यक्तिओं के सशक्तिकरण विभाग ने विकलांगतावाले व्यक्तिओं के लिए एक विशिष्ट पहचान पत्र लागु किया है । जो युनिक विकलांगता आई.डी. कार्ड (UDID) कहा जाता है । विकलांगो के अधिकारो की रक्षा और समाज में उनकी पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने कई उपाय किये है । भारत के संविधान के तहत प्रत्येक कानूनी नागरिक को लाभकारी (सामान्य / शारीरिक रूप से विकलांग) या कार्यान्वयन के क्षेत्र (शहरी/ग्रामीण) की क्षमता के बावजूद सरकारी योजनाओं के सभी लाभो का लाभ उठाने का समान अधिकार है।

यह परियोजना प्रत्येक के लिए एक अद्वितीय विकलांगता आई.डी. कार्ड (UDID) जारी करो विशेष रूप से विकलांग लोगों को सेवाएँ प्रदान करने में एकरूपता, पारदर्शीता और दक्षता का पता लगाने के उद्देश्य से लागु की गई थी । एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाया जाता है। जो अद्वितीय आई.डी. कार्ड और कार्डधारक के विवरण को सम्मिलित करता है।

★ पात्रता मापदंड :-

विकलांग व्यक्तिओं के सशक्तिकरण विभाग के अनुसार, निम्न विकलांग व्यक्ति अद्वितीय आई.डी. कार्ड (UDID Card) प्राप्त करने पात्र है।

- → अंधापन
- → कुष्ठरोग
- → श्रवण बाधित
- → मानसिक बिमारी
- → मस्तिष्क पक्षघात
- → मानसिक मंदता
- → कम दृष्टि
- → लोकोमोटर विकलांगता
- → रक्त संबंधी विकारो से पीड़ित
- → बहुविकलांगता से ग्रस्त
- → बोलने में असमर्थ व्यक्ति

★ युनिक विकलांगता आई.डी. कार्ड (UDID Card) का आवेदन कैसे करे ?

Unique Disability ID Card का आवेदन करने के लिए विकलांग व्यक्तिओं इस तरह से ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

→ स्टेप-१ -
सबसे पहेले आपको UDID Card की ऑफिशयल वेबसाईट www.swavlambancard.gov.in पर जाना होगा।

→ स्टेप-२
इसके बाद मुखपृष्ठ पर 'विकलांग प्रमाणपत्र और UDID Card के लिए आवेदन करे' यह विकल्प पर क्लिक करे । आप सीधे इस लींक पर क्लिक कर सकते है।

→ स्टेप-३
ऊसके बाद आपकी स्क्रीन पर Unique Disability ID Card पंजीकरण फॉर्म / विकलांगता प्रमाणपत्र प्रपत्र दिखाई देगा।
आवेदनपत्र को ध्यान से भरे "फोटो" और "हस्ताक्षर" अपलोड करे और Next बटन दबाए।

→ स्टेप-४
इसके बाद "विकलांगता विवरण", "रोजगार विवरण","पहचान विवरण" दर्ज करे।

→ स्टेप-५
फिर "सबमीट करे" और आवेदन प्रक्रिया को पूरी करे।

विकलांग लोगों के सशक्तिकरण विभाग के केन्द्र सरकार ने यह अद्वितीय विकलांगता आई. डी. कार्ड के लिए ऑनलाईन आवेदन आमंत्रि किए है। ऑनलाईन पंजीकरण की यह सुविधा खास तौर पर विकलांगो के लिए शुरू की गई है। इसकी मदद से विकलांग लोग ऑनलाईन पंजीकरण, आवेदन की स्थिति और ई-विकलांगता/e-UDID ऑनलाईन डाऊनलोड भी कर सकते है । UDID Card के अलावा सरकार द्वारा विकलांगता प्रमाणपत्र भी जारी किया जाएगा । जिससे वह अन्य सरकारी सुविधाओं का लाभ आसानी से उठा सकेंगे।

- यह Unique Disability ID Card (UDID) को पूरे देश में मान्यता मिलती है।

★ युनिक विकलांगता आई.डी. कार्ड के फायदे (लाभ) :-

- → हर एक जिले के दिव्यांगो को अब केन्द्र सरकार की डिजीटल योजना के युनिक आई.डी. के तहत सरकार विशेष पहचान देगी । इसमें दिव्यांगो को सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए दस्तावेजो व प्रमाणपत्रो का पुलंदा लेकर घुमना नहीं पडेगा ।
- → दिव्यांगो के इस युनिक आई.डी. की मान्यता न केवल राज्य में बल्कि पूरे देश में होगी ।
- → बस, ट्रेन या अन्य स्थानो पर दिव्यांगजनो के लिए लागु आरक्षण मिलने में परेशानी नहीं आएगी ।
- → सरकार की किसी भी योजना का लाभ उठाने के लिए दिव्यांगो को इस आई.डी. के तहत लाभ दिया जाएगा ।
- → कार्ड से मिलेगी पेन्शन : समाज कल्याण के माध्यम से विविध योजनाओं का लाभ उठाने वाले सभी दिव्यांगो के पास यह युनिक आई.डी. होना जरूरी है ।

★ युनिक विकलांगता आई.डी. कार्ड योजना में पंजीकरण के लिए दस्तावेज :-

- → स्वास्थ्य विभाग के CMO से प्राप्त प्रमाणपत्र
- → शिक्षाप्राप्त डिग्री का प्रमाणपत्र
- → निवास प्रमाणपत्र
- → आय प्रमाणपत्र
- → पहचान प्रमाणपत्र
- → दो रंगीन पासपोर्ट साईज़ फोटो

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर नरेन्द्र मोदी फेन क्लब द्वारा नवजीवन चेरिटेबल ट्रस्ट संचालित डॉक्टर हरिकृष्ण डाह्या भाई स्वामी स्कूल फॉर मेंटली डिसेबल्ड के मनोदिव्यांग छात्रों के लिए ऑनलाइन सोलो डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें करीबन ३० जितने मनो दिव्यांग बच्चों ने हिस्सा लिया था और ऑनलाइन अपने घर पर ही डांस किया था। जज श्री ग्रीष्मा त्रिवेदी द्वारा सभी बच्चों को ओनलाइन जज करके प्रथम... द्वितिय... तृतीय इस तरह कुल ५ पुरस्कार दिए गए थे। इस वर्चुअल सोलो डांस प्रतियोगिता में बच्चों तथा उनके माता-पिता ने बहुत उत्साह के साथ हिस्सा लिया था। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को इस तरह कुछ अलग तरीके से मना कर नरेन्द्र मोदी फेन क्लब द्वारा नवजीवन चेरिटेबल ट्रस्ट के मनो दिव्यांग बच्चों को एक अलग और बेहतरीन अनुभव करवाया गया...

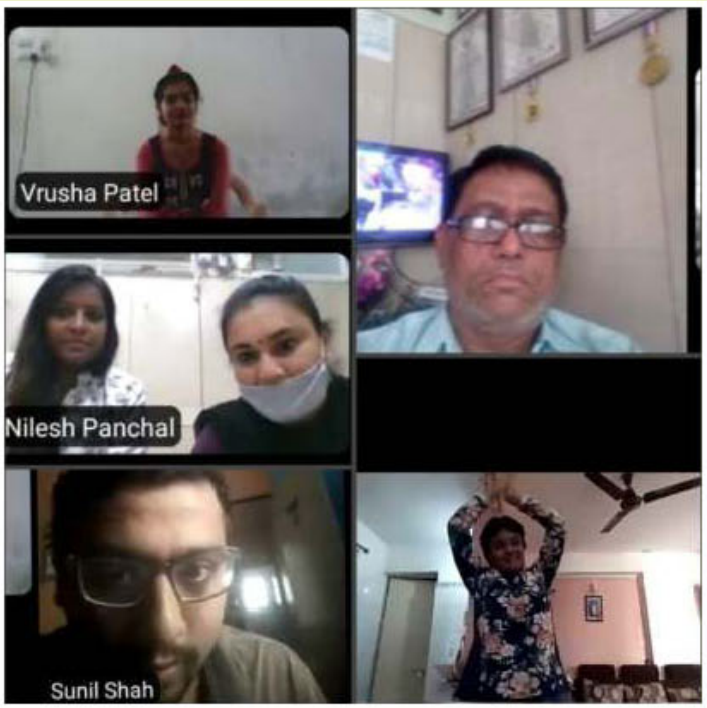

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट
(N.G.O.)
संचालित
ॐकार दिव्यांग ट्रेनींग डे-केर सेन्टर
मानसिक दिव्यांग बच्चों के
लिए निःशुल्क तालीमी संस्था
शाला में प्रवेश के लिए संपर्क करे
सुमेल ५, हाउस नं.: 48/डी, बिझनेश पार्क,
चामुंडा ब्रीज कोर्नर, असारवा,
अहमदाबाद-380 016
मो. : 99749 55125, 99749 55365